महिलाओं की जागरूकता व एकजुटता रंग लाई

गढ़वाल के पहाड़ी इलाके में जोशीमठ से 7 कि.मी. दूर एक गांव है पैनी। यहां लगभग 2-3 साल से एक महिला मंगल दल सक्रिय है। पिछले साल यहां एक घटना घटी जिसने इनके जीवन को तो एक नया मोड़ दिया ही, पूरे गांव की माली हालत भी सुधर गई। हुआ यह कि इनको किसी तरह यह पता चल गया कि गांव का सरपंच गांव की 0.2 हेक्टर सार्वजनिक ज़मीन को बेचकर पैसा खाना चाहता है। उस ज़मीन पर पौधों की नर्सरी थी। मज़बूत इरादों वाली 30 महिलाओं ने उसका भांडा फोड़ा और अधिकारियों से मिलकर उस ज़मीन को फिर से गांववालो के कब्ज़े में लिया।

वे अब वहां फल-सब्जी उगाती हैं। खुद उसे आस-पास बेचती हैं। अतिरिक्त सब्जी व फलों के अचार व मुरब्बे आदि बनाकर बेचती हैं। अचार व मुरब्बे बनाने और बिक्री करने का प्रोत्साहन उन्हें एक गैर-सरकारी संगठन से मिला।

आज उन्होंने अपने संयुक्त कोष में एक महत्वपूर्ण राशि जमा कर ली है। जिन महीनों में आमदनी कम होती है या वक्त ज़रूरत पर उन्हें इस कोष से बहुत सहारा व मदद मिलती है।